श्री रामेश्वर सिंह : मैं तो चाहता हूं कि आप बराबर इस कुर्सी पर बैठें।

उपसभाध्यक्ष [डा० (श्रीमती) नाजमा हेपतुल्ला] : आप लोग जितना सहयोग देंगे उतनी अच्छी तरह से हाउस चलेगा। यह हाउस आप सब का है, मेरा नहीं है।

SHRI SUKOMAL SEN: Madam, I would like to draw the attention of the Government to a very serious and shameful event that took place in London recently. The newspapers of Delhi, dated 18th August, 1983, have reported the event where Indian women were arrested by the British police, they were stripped off their sarees and their bodies were searched in the presence of the male officers. In the 'Statesman' dated 18th August, 1983, it is reported: "Britain's 'Indian Saree Squad' is angry over the ill-treatment by the police of four Asian women who allege that they strip-searched while in police custody." The report further says that while the Indian women were staging a protest outside the home of the British Home Secretary, the police arrested the Indian women and they were stripped. Actually, one Bangladeshi woman was deported, and against that decision Indian women and other women were protesting outside the home of the British Home Secretary. It is further said, "Miss Nita Datta, a member of the "squad", alleged that two police women took off her saree and told her to leave the cell and sit on a bench near half a dozen male officers." She said, "I was wearing only my slip, and the officers made jokes about me. It is humiliating for Asian women to go through that sort of thing, and I covered my face most of the time." when she told a journalist, he said, "Madam, It is not a new thing. Previously also you were subjected to humiliation." They were subjected to virginity tests earlier. At that time also there was protest here and in London. Also, Indian women and Indian community raised a voice against virginty tests. So, I would request the Government to take up this case with the British Government so that Indian women are spared of this humiliation under that Government.

श्री शिव चन्द्र झा (बिहार) : यह बहुत गम्भीर मामला है। आप मंत्री जी को आदेश दें कि वे इस संबंध में सदन को बतायें।

उपसभाध्यक्ष [डा० (श्रीमती) नाजमा हेपतुल्ला] : मंत्री जी सुन रहे हैं। वे आदेश दे देंगे।

श्री रामेश्वर सिंह : श्री कल्प नाथ राय तो कम्पीटेन्ट मिनिस्टर हैं... (व्यवधान)

उपसभाध्यक्ष [डा० (श्रीमती) नाजमा हेपतुल्ला] : श्री रामेश्वर सिंह जी, आप अपना स्पेशल मेंशन बोलिये।

REFERENCE TO THE ALLEGED IRREGULARITIES COMMITTED BY THE INDIAN TOBACCO COMPANY

श्री रामेश्वर सिंह (उत्तर प्रदेश) : उपसभाध्यक्ष महोदय, मैं एक बहुत ही गम्भीर स्थिति की तरफ आपकी सद्भावना को लेकर सदन का और सरकार का ध्यान खींचना चाहता हूं। मैं चाहता हूं कि आपकी सद्भावना भी इसके साथ जुड़ जाय तभी हम इस समस्या को हल कर सकते हैं। मैं समझता हूं कि श्री कल्पनाथ जी जरूर इसमें हमारी और सरकार की मदद करेंगे। इंडियन टोबेको कम्पनी इस देश में सबसे बड़ी कम्पनी है। इसका काम इस देश के लोगों को जहर पिलाना है। दूसरे देशों में, मेरे पास रिपोर्ट है, सब लोग तम्बाकू पीना और सिगरेट पीना छोड़ते जा रहे हैं क्योंकि इससे कई बीमारियां फैल रही हैं... (व्यवधान)

उपसभाध्यक्ष [डा० (श्रीमती) नाजमा हेपतुल्ला] : श्री रामेश्वर सिंह जी को आप दो मिनट बोलने दीजिये । उन्हें अपनी बात जल्दी खत्म करनी है ।

श्री रामेश्वर सिंह : इस कम्पनी के बारे में मैं यह कहना चाहता हूं कि यह कम्पनी इतने बड़े पैमाने पर स्मगलिंग और चोर-बाजारी कर रही है कि कुछ नहीं कहा जा सकता है। इतनी जबर्दस्त इस कम्पनी ने लूट मचा रखी है कि हम आश्चर्य में हैं....(**व्यवधान**) । श्रीमती मोनिका दास जब घर में जाती हैं तो मुझे पता नहीं कि इनके पति इनको मारते हैं या नहीं, मैं नहीं जानता । हर चीज के दाम आज बढ़ रहे हैं । लेकिन पता नहीं सदन में ये हमारे साथ छेड़छाड़ क्यों करती हैं ?

उपसभाध्यक्ष महोदया, मेरे कहने का मतलब यह है कि इस कम्पनी की हालत यह है कि इस इंडियन टोबैको कम्पनी के देश में 51 परसेन्ट शेयर्स हैं । सिगरेट बेचने का यह कम्पनी काम करती है । एक्साइज ड्यूटी में चोरी यह इतनी तादाद में करती हैं कि इसका कुछ हिसाब नहीं है । मेरे पास इसका विवरण है जो वहां पर पढ़ा जा सकता है । 22 जुलाई के 'आन लुकर' में यह छपा है, यह मेरे हाथ में है । मैं आपको मुबारकबाद देता हूं कि आपने हमारा यह स्पेशल मेंशन एक्सेप्ट किया । मैं आपका आभारी हूं जो आपका ध्यान इधर गया क्योंकि आपका ध्यान अगर उधर नहीं जाता तो हमको यह इजाजत नहीं मिलती । आपने इसकी गंभीरता को महसूस किया है कि कम्पनी क्या कर रही है । मैं आपको थोड़ा बहुत इसके बारे में बता देना चाहता हूं ।

हर साल इनके ट्रक पकड़े जाते हैं, हर साल गोदामों में छापे पड़ते हैं और हर साल इनके ऊपर पचासों केसेज चलते हैं । अभी इनके ऊपर 13 केसेज चल रहे हैं और हर केस में कम से कम 15 हजार से लेकर 50 हजार रुपये का जुर्माना होता है । फिर भी ये अपनी हरकत नहीं छोड़ते हैं । इनकी जो हरकतें हैं, उनका सौ में से एक हिस्सा ही पकड़ में आता है । अफिसरों से इनकी इतनी जबर्दस्त मिली-भगत है कि केवल एक-दो केसेज ही पकड़े जाते हैं और बाकी सब केसज में छूट जाते हैं । इन के बड़े बड़े होटल हैं, सारे हिन्दुस्तान में होटलों का जाल बिछाये हुए हैं । दूसरी बात मैं आपको बताऊं कि इस कम्पनी के पास सरकार के 108 करोड़ 58 लाख रुपये बाकी है, इतना रुपया सरकार को इस कम्पनी से लेना है । मगर इनके होटल खुलते जा रहे हैं, स्मगलिंग होता जा रहा है और इस पर कोई कार्यवाही नहीं होती । उपसभाध्यक्ष महोदया जब मैं आगे बढ़ता हूं । इनका यहां दिल्ली में मौर्य होटल है । इस मौर्य होटल में छापा पड़ा और उस छापे में यहां चरस बरामद हुआ, स्मगलिंग का सोना बरामद हुआ, स्मगलिंग का चरस बरामद हुआ, सारे गोदाम अभी बन्द पड़े हैं लेकिन इन पर कोई कार्यवाही नहीं हुई । यह क्यों हुआ, इसके पीछे राज क्या है ? यह कम्पनी जो है, इंडियन टोबेको कम्पनी हिन्दुस्तान में जितनी भी बड़ी कम्पनियां हैं, उनमें यह सबसे बड़ी कम्पनी है और इनका 51 प्रतिशत शेयर है । कम्पनी के जो सबसे बड़े डाइरेक्टर हैं वे मिस्टर सप्रू हैं जो कि हर साल प्रधान मंत्री कोष में 30–40 लाख रुपया डोनेट करते हैं, गरीबों के लिये देते हैं । बड़ी खुशी की बात है कि प्रधान मंत्री कोष में जाता है, प्राइम मिनिस्टर रिलीफ फण्ड में जाता है । यह खुशी की बात है, हम लोग कोई..(**व्यवधान**)..

[डा० (श्रीमती) नाजमा हेपतुल्ला]

अगर मेरे पास होगा तो मैं खुद प्रधानमंत्री कोष में दूंगा, गरीबों की मदद के लिये दूंगा । मगर इस डकैत से लेकर, जो इस तरह से डकैती करता है, प्रधानमंत्री कोष में देता है, इसके पीछे क्या राज है? सप्रू साहब इस कंपनी के हैड हैं । मैं कहना चाहता हूं कि

श्री विश्वजित पृथ्वीजित सिंह महाराष्ट्र) : मंदिर में हर आदमी पैसे दे सकता है, मजिस्द में दे सकता है, गिरिजे में दे सकता है तथा प्रधानमंत्री रिलीफ फंड में हर आदमी दे सकता है... (**व्यवधान**)...

श्री रामेश्वर सिंह : मेरा कहना है कि...

SHRI HANSRAJ BHARADWAJ (Madhya Pradesh): On a point of order, Madam. In this House, it has been the convention, the established convention, that individual cases are not mentioned in the House. My friend has not mentioned anything on the special mention. He should be specific about the allegation he wants to make.

SHRIMATI MONIKA DAS (Karnataka): He has mentioned some hotel.

उपसभाध्यक्ष [डा० (श्रीमती) नाजमा हेपतुल्ला] : आपको जो कुछ कहना है संक्षेप में कहिये ।

श्री रामेश्वर सिंह : मैंने कहा, मैं प्रधानमंत्री की इज्जत करता हूं, इनसे अधिक इज्जत करता हूं । ये चापलूसी और दलाली करते हैं... (**व्यवधान**)...

SHRI GHULAM RASOOL MATTO (Jammu and Kashmir): These words must be expunged.

SHRI VISHVAJIT PRITHVIJIT SINGH: This should be expunged.

उपसभाध्यक्ष [डा० (श्रीमती) नाजमा हेपतुल्ला] : राजेश्वर सिंह जी, आप जो कुछ कहना चाहते हैं किसी कंपनी के बारे में बहुत संक्षेप में कहिये । आप यहां पर कृपा करके यह न कहें कि किसे दलाल बनना है, किसे नहीं बनना है, यह अच्छी बात नहीं है और यह सदन की परम्परा के खिलाफ है । आप कृपया इस तरह के अल्फाज का इस्तेमाल न करें । आप अपनी बात एक मिनट में समाप्त कर दें । नहीं तो मैं बोलने की इजाजत नहीं दूंगी ।

श्री रामेश्वर सिंह : आपका आदेश है, मैं समाप्त करूंगा ।

उपसभाध्यक्ष [डा० (श्रीमती) नाजमा हेपतुल्ला] : मेरा आदेश है, इस पर अमल होना चाहिए, वरना मैं आपको बिठा दूंगी ।

श्री रामेश्वर सिंह : ठीक है, आप बैठ जाइये ... (**व्यवधान**)

SHRI NARENDRA SINGH (Uttar Pradesh): He cannot direct the Chair to sit down. I object. .(*Interruptions*)...

श्री हंसराज भारद्वाज : आप अपने नेता के दलाल हो क्या? (**व्यवधान**) आप चरण सिंह के दलाल हो या अटल बिहारी बाजपेयी के, किस के दलाल हो (**व्यवधान**)

उपसभाध्यक्ष [डा० (श्रीमती) नाजमा हेपतुल्ला]: कोई चिल्लायेगा नहीं, कोई शोर नहीं मचाएगा । रामेश्वर सिंह जी, आप जिस विषय पर बोल रहे हैं उस पर ही बोलिये । आप प्रधानमंत्री को बीच में क्यों लाते हैं, किसी की दलाली क्यों लाते हैं । इन सब बातों में न जाइये । आप अपने स्पेशल मेंशन के इलावा बोलेंगे तो मैं आपको बैठा दूंगी । आप आई०टी०सी० की बात कर के बैठ जाइये ।

श्री रामेश्वर सिंह : यह आई०टी०सी० जो कम्पनी है । यह कम्पनी इसलिए इस देश में लूट मचाए हुए है । आप तो एरोड्रोम जाती हैं...

उपसभाध्यक्ष [डा० (श्रीमती) नाजमा हेपतुल्ला] : आप मेरे एअरोड्रोम की बात छोड़ दीजिये । That is not part of the Special Mention.

श्री रामेश्वर सिंह : मैं चाहता हूं आप मेरी मदद करें ।

उपसभाध्यक्ष [डा० (श्रीमती) नाजमा हेपतुल्ला] : मैं आपकी बहुत मदद कर रही हूं ।

श्री रामेश्वर सिंह: आप एरोड्रोम तो जाती ही हैं और आप मौर्य होटल भी देखती हैं कितना खूबसूरत बना है । इनके ये होटल बनते जाते हैं इतनी दौलत कहां से आती है । 108 करोड़ 58 लाख रुपया सरकार का बाकी है और रोज इनके ट्रक पकड़े जाते हैं (व्यवधान) यह 13 अगस्त को निकला है इनके ऊपर नागपुर, कलकत्ता, मद्रास, पटना में केस चल रहे हैं । सहारनपुर का भी है । सब से ज्यादा इन्होंने जो लूट मचाई है मेरा कहना यह है कि सरकार इस कम्पनी पर पाबन्दी लगाए इनकी सारी मल्कीयत को जब्त कर ले और 108 करोड़ 58 लाख रुपया सरकार वसूल करे । यह जो सरकारी मिलीभगत है (व्यवधान) और ये जो चाटूकार लोग हल्ला करते हैं इन लोगों को भी... (व्यवधान) समाप्त किया जाए । (व्यवधान)

श्री नरेन्द्र सिंह : आपकी हिस्सेदारी बनेगी उसमें (व्यवधान)

उपसभाध्यक्ष [डा० (श्रीमती) नाजमा हेपतुल्ला] : आप अपनी बात स्पेशल मेंशन के ऊपर बोलेंगे (व्यवधान) No cross-talking please.

REFERENCE TO THE REPORTED AGITATION BY STUDENTS OF THE BANARAS HINDU UNIVERSITY TO PRESS THEIR DEMANDS.

श्री नरेन्द्र सिंह (उत्तर प्रदेश) : मैं एक बहुत ही महत्वपूर्ण विषय का उल्लेख करना चाहता हूं । बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय उत्तर भारत का ही नहीं हिन्दुस्तान का ही नहीं बल्कि दुनिया का एक बहुत ही विख्यात विश्वविद्यालय है । इसमें 18000 छात्र पढ़ते हैं और विदेशों के छात्र भी यहां पढ़ते हैं । माननीया, पिछली 9 जुलाई से यहां के छात्र आन्दोलन कर रहे हैं अपनी तमाम मांगों को ले कर के । उनकी बहुत सी मांगें जायज हैं ।

श्री रामेश्वर सिंह (उत्तर प्रदेश) : सारी मांगें जायज हैं यह कहिये (व्यवधान)

उपसभाध्यक्ष [डा० (श्रीमती) नाजमा हेपतुल्ला] : बनारस विश्वविद्यालय पर बोल रहे हैं, बोलने दीजिये ।

श्री नरेन्द्र सिंह : छात्रों की अधिकांश मांगें जायज हैं । 9 जुलाई से विश्वविद्यालय में पढ़ाई नहीं हो रही है । विद्यार्थियों ने जो भी शान्तिपूर्ण तरीके हो सकते थे प्रदर्शन का, सभा का, जुलूस का, मौन जुलूस का, मशाल जुलूस का और क्रमिक अनशन का, तमाम तरीके अख्तियार किये और बहुत शान्तिपूर्ण ढंग से उन्होंने आन्दोलन किया, चलाया । इतना होने के बाद इनकी मांगें पूरी नहीं हुईं और अन्त में एक गोलमेज कान्फ्रेंस हुई जिसमें छात्र संघ के प्रतिनिधियों ने, वहां के कर्मचारियों ने वहां के वरिष्ठ प्रोफेसरों ने, वाइस चांसलर ने हिस्सा लिया और 17 घंटे तक वह गोलमेज कांफ्रेंस चली और उसमें कुछ निर्णय लिये गये । अब कुलपति उन निर्णयों को भी कार्यान्वित नहीं कर रहे हैं ।